LIBRARY

LIBRARY

सार्थं विश्वमाश्

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours/Programme 3rd Semester Examination, 2019

HINHGEC03T/HINGCOR03T-HINDI (GE3/DSC3)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ट प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) 'अंधेर नगरी' प्रहसन किसकी कृति है ?

(ख) 'निराला की साहित्य साधना' किनकी रचना है ?

(ग) नागार्जुन के बचपन का नाम बताइए।

(घ) मतवाला पत्रिका के संपादक कौन थे ?

(ङ) 'साकेत' में कितना सर्ग है ?

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) अरी बरुणा की शांत कछार!
तपस्वी के विराग की प्यार!
सतत व्याकुलता के विश्राम, अरे ऋषियों के कानन-कुंज!
जगत नश्वरता के लघु त्राण, लता, पादप, सुमनों के पुंज!
तुम्हारी कुटियों में चुपचाप, चल रहा था उज्जवल व्यापार।
स्वर्ग की वसुधा से शुचि संधि, गूँजता था जिससे संसार।

(ख) अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा,
श्याम तृण पर बैठने को निरुपमा।
बह रही है हृदय पर केवल अमा;
मैं अलक्षित हूँ ; यही
कवि कह गया है।

(ग) दाने आये घर के अन्दर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर-भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलायी पाँखें कई दिनों के बाद।

(घ) जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर
तुझे बुलाता कृषक अधीर
ऐ विप्लव के वीर!
चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार!

(ङ) साँप!
तुम सभ्य तो हुए नहीं
नगर में बसना
भी तुम्हें नहीं आया
एक बात पूछूँ — [उत्तर दोगे ?]
तब कैसे सीखा डँसना .....
विष कहाँ पाया ?

3. रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित खण्ड काव्य 'रश्मिरथी' के तृतीय सर्ग के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

जयशंकर प्रसाद के काव्यगत विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 15

4. मैथिलीशरण गुप्त जी की काव्यगत विशेषताओं पर आलोकपात कीजिए। 15

अथवा

नागार्जुन काव्य के मूल स्वर को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए। 15

——×——